हिमाचल अभी अभी

ABHI ABHI

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

राशिनुसार धारण करें रत्न... -पढ़ें पेज 2 पर

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 6 अंक 44 धर्मशाला। शनिवार, 26 जून-02 जुलाई, 2021 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 12 आषाढ़, विक्रमी संवत् 2078 कुल पृष्ठ 12 मूल्य ₹5 Postal Regn.No. DGPUR/26/15-17

रिद्धि-सिद्धि के दाता

हिंदू मान्यताओं के अनुसार कोई भी शुभ कार्य करने से पहले भगवान गणेश की पूजा की जानी जरूरी है। बुधवार को पूरे विधि-विधान के साथ भगवान गणेश की पूजा की जाती है।

भगवान गणेश भक्तों पर प्रसन्न होकर उनके दुखों को हरते हैं और उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। भगवान गणेश खुद रिद्धि-सिद्धि के दाता और शुभ-लाभ के प्रदाता हैं। वह भक्तों की बाधा, सकंट, रोग-दोष और दरिद्रता को दूर करते हैं। शास्त्रों के अनुसार गणेश की विशेष पूजा का दिन बुधवार है। गणेश जी को विघ्नहर्ता भी कहा गया है, जिन लोगों के जीवन में किसी भी प्रकार की बाधा बनी हुई है उनके लिए बुधवार की पूजा विशेष फल देने वाली साबित हो सकती है।

मान्यता है कि गणेश की पूजा करने से राहु की अशुभता को दूर किया जा सकता है। गणेश की पूजा करने से राहु के शुभ फलों में वृद्धि होती है। भगवान गणेश जी को बुद्धि का दाता भी कहा गया है। गणेश जी का संबंध शिक्षा और ज्ञान से भी है। जिन लोगों के जीवन में शिक्षा संबंधी बाधा बनी हुई है उन्हें बुधवार को गणेश जी की पूजा करनी चाहिए। बुधवार के दिन सुबह स्नान करने के बाद स्वच्छ वस्त्र धारण कर गणेश जी की पूजा आरंभ करें। पूजा आरंभ करने से पूर्व गणपति बप्पा को दुर्वा घास और उनके प्रिय चीजों का भोग लगाएं। पूजा का समापन गणेश आरती से करें।